आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार

देहरादून (उत्तराखण्ड)

शुक्रवार 10.04.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में जनगणना का पहला चरण शुरू। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने स्व–गणना कर शुभारंभ किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रमिक सेवा मोबाइल एप का लोकार्पण किया। कहा– पलायन रोकने के लिए श्रमिकों को स्थानीय आवश्यकता के अनुसार दिया जाए कौशल प्रशिक्षण।
- प्रदेश के सात जिलों में हुई मॉक ड्रिल। चारधाम यात्रा के दौरान संभावित आपदाओं से निपटने की तैयारियों और समन्वय क्षमता को परखा गया।
- पिथौरागढ़ में ''मेरा सपना–मेरा लक्ष्य'' का चौथा संस्करण आयोजित। छात्राओं को मिला प्रशासनिक अनुभव और करियर मार्गदर्शन।

जनगणना शुभारंभ

प्रदेश में जनगणना–2027 की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने लोक भवन में स्व–गणना के माध्यम से इसका शुभारंभ किया। इसके साथ ही प्रदेश में जनगणना के पहले चरण की गतिविधियां प्रारंभ हो गई हैं। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें और स्व–गणना के माध्यम से सटीक और पूरी जानकारी दें। इस अवसर पर केंद्रीय जनगणना कार्य निदेशालय की निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तराखण्ड में पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 25 अप्रैल से 24 मई तक किया जाएगा। घर–घर सर्वेक्षण से पहले प्रदेशवासियों को आज से 24 अप्रैल तक स्व–गणना की सुविधा प्रदान की गई है। इस अवधि में नागरिक se.census.gov.in पोर्टल पर स्वयं और अपने परिवार की जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज कर सकते हैं।

लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित श्रमिक सेवा मोबाइल एप का लोकापर्ण किया। साथ ही करीब आठ हजार श्रमिकों के खातों में 17 करोड़ रुपए से अधिक राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तातंरण किया। इस अवसर पर उन्होंने बोर्ड के अधिकारियों को श्रमिकों और उनके आश्रितों के कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय श्रमिकों को पलम्बर, इलैक्ट्रिशियन, मिस्त्री, कारपेन्टर आदि क्षेत्रों में कौशल प्रदान किया जाए। इसी तरह योगा और वेलनेस में रोजगार की सम्भावना को देखते हुए आगामी सत्र में श्रमिकों के बच्चों को योग और वेलनेस में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को पीएम स्वनिधि योजना से जोड़ने और उनका समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण करने पर भी जोर दिया।

नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ''मुख्यमंत्री आवास'' में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अंतर्गत मानचित्रक के पद पर चयनित 12 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी अभ्यर्थी अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी और लगन से कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद प्रदेश में अब तक 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की युवाओं के प्रति प्रतिबद्धता और सुशासन का प्रमाण है।

मॉक ड्रिल

चारधाम यात्रा से पहले आज प्रदेश के सात जिलों में मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की तैयारियों को परखा गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस अभ्यास के जरिए यात्रा के दौरान संभावित आपदाओं से निपटने की तैयारियों और समन्वय क्षमता को परखा गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से संचालित हुई मॉक ड्रिल में उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी और देहरादून जिलों के अधिकारियों और विभिन्न विभागों की टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान संबंधित जिलों में सड़क दुर्घटना, हेलीकॉप्टर हादसा, भूकंप, अग्निकांड, भगदड़, खराब मौसम, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसे विभिन्न आपदा परिदृश्यों पर अभ्यास किया गया। केंद्रीय एजेंसियों, सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय की प्रभावशीलता को परखा गया। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव, विनोद कुमार सुमन ने बताया कि चारधाम यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए यह अभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, संसाधनों के उपयोग और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता का मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों के अनुसार इस अभ्यास से चारधाम यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को और मजबूत किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मेरा सपना–मेरा लक्ष्य

पिथौरागढ़ में महिला सशक्तिकरण की दिशा में जिलाधिकारी आशीष भटगांई के नेतृत्व में संचालित 'मेरा सपना–मेरा लक्ष्य' कार्यक्रम प्रभावी साबित हो रहा है। आज जिला कार्यालय सभागार में कार्यक्रम का चौथा संस्करण आयोजित किया गया, जिसमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, थल की 26 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर छात्राओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों का शैक्षिक भ्रमण कराने के साथ ही महिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उनका सीधा संवाद किया गया। जिलाधिकारी ने छात्राओं को ईमानदारी, अनुशासन, करुणा, धैर्य और आत्मविश्वास जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी तथा अनुशासन और सफलता का मूल मंत्र बताया।

वहीं, छात्राओं ने इस अनुभव को प्रेरणादायक बताया। छात्रा अंशिका चौधरी और करिश्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें अपने लक्ष्य और करियर को लेकर स्पष्ट दिशा मिली है।

सहायता राशि

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून के सहस्त्रधारा में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मजाडा, कार्लीगाड़, फुलेत, सरोना, बगड़ाधोरण, गल्जवाड़ी आदि के 49 आपदा प्रभावित दुकानदारों को 19 लाख 60 हजार की सहायता राशि वितरित की। ये सहायता राशि ''मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष'' से स्वीकृत की गई है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, आपदा प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान श्री जोशी ने सहस्त्रधारा में आपदा के कारण क्षतिग्रस्त हुई दुकानों के स्थान पर नव–निर्मित दुकानों का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि इन दुकानों के पुनर्निर्माण से स्थानीय व्यापारियों को फिर से आजीविका का साधन मिलेगा और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा।